Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur

Answer Script Details
Barcode 5209449

Roll No. 23262000010
Total Mark 58/75.00

Exam BACHELOR OF ARTS_DEC-2023
Subject A310102T - BASIC FUNDAMENTAL OF TABLA

Question wise Mark Summary

Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark	Q.No	Mark
1A	3/5						
1B	5/5						
1C	5/5						
1D	4/5						
1E	4/5						
1F	0/5						
1G	0/5						
1H	5/5						
1I	4/5						
2	14/15						
3	NA/15						
4	NA/15						
5	NA/15						
6	NA/15						
7	NA/15						
8	14/15						
9	NA/15						

Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University
Kanpur, Uttar Pradesh

PART-II

Date of Exam: 23·12·23 Shift: Ist Room No.: 1
Paper Code: A310102T Subject: Music (Tabla) Semester: I
Name of Candidate: Nitya Rastogi
Roll No.: 2 3 2 6 2 0 0 0 0 1 0

Signature of Candidate: Nitya Rastogi
Signature of Invigilator
COE Facsimile

MARKS OBTAINED

Q.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(a)										
(b)										
(c)										
(d)										
(e)										
(f)										
(g)										
(h)										
(i)										
(j)										
Total										

Total Marks in Figures — Max. Marks
Total Marks in Words

A 3 1 0 1 0 2 T
Paper Code

Signature of Evaluator

Course: Basic fundamental of Tabla
Session: 2023 Year/Semester: first
Subject Name: Music (Tabla)
Medium: English ○ Hindi ●

Paper Code
A 3 1 0 1 0 2 T

Exam Date
2 3 1 2 2 0 2 3

Name of Candidate
N I T Y A R A S T O G I

Father's Name
S A N J E E V R A S T O G I

महाविद्यालय का कोड
College Code
F B 0 7

परीक्षा केन्द्र का कोड
Exam Centre Code
F B 0 7

परीक्षा का प्रकार
Type of Exam
संस्थागत Regular ● भूतपूर्व छात्र Ex-Student ○
व्यक्तिगत Private ○ बैक पेपर परीक्षा Back Paper Exam ○

ANSWER BOOKLET NO.
5209449

A 3 1 0 1 0 2 T
Paper Code

नामांकन संख्या
Enrollement Number: C S J M A 2 3 0 0 0 1 1 6 3 1 8

परीक्षार्थी अनुक्रमांक संख्या Candidate's Roll Number
2 3 2 6 2 0 0 0 0 1 0

पेपर कोड Paper Code
A 3 1 0 1 0 2 T

Nitya Rastogi
Signature of Candidate

Signature of Invigilator

C S Facsimile

COE Facsimile

नोट- 1. परीक्षार्थी को निर्देशित किया जाता है कि आवरण पत्रे के पृष्ठ भाग पर अंकित सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ें।
2. बॉक्स में भरी जाने वाली प्रविष्टियाँ बायीं तरफ से शुरू की जायें। 3. गोलों को काले या नीले बॉलपेन से भरा जायें।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-I

1. Read the instructions carefully given on the answer script and admit card.
2. Write Date of Exam, Shift, Paper Code & Name of Subject Correctly.
3. Write Name & Roll No. Correctly.
4. Write Semester & Branch Correctly.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-III

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in boxes.
2. Carefully study the example before you start marking.
3. As shown in the example below, blacken thecircles completely.

Correct Method	Incorrect Method
① ● ③ ④	✓ ✗ ◉ ⓞ

4. Make no Stray marks o n this sheet.

5. DO NOT WRITE OR MARK ON THE BAR CODE.

IN ORDER TO AVOD UFM (UNFAIR MEANS) :

1. The Roll No. and Answer Book no. found elsewhere or any other symbol found in the answer book will be treated as unfair means.
2. Any tempering of Bar Code and Booklet no shall be treated as Unfair Means.
3. Do Not bring the materials like slip of paper/mobile/digital diaries/ study material/ revision notes in examination hall. Possession of the mobiles/ digital diaries/electronic/digital/ watch and any other electronic gadget except memory less scientific calculator shall be considered as UFM case.
4. Do not keep or paste currency note in answer script it shall be consider as UFM.

अनुचित साधन से बचने हेतु :

1. उत्तर पुस्तिका के निर्धारित स्थान को छोड़कर अनुक्रमांक एवं उत्तरपुस्तिका का क्रमांक कहीं और न लिखें तथा कोई भी चिन्ह न बनायें क्योंकि यह अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।
2. उत्तर पुस्तिका के बारकोड अथवा उत्तर पुस्तिका संख्या पर छेड़ छाड़ करने पर अनुचित साधन प्रयोग माना जायेगा।
3. परीक्षा कक्ष में निम्न वस्तुएं साथ न लायें, जैसे लिखे हुए कागज के टुकड़े, मोबाइल, डिजिटल डायरी, डिजिटल वॉच, कॉपी, पुस्तक यह सभी वस्तुएं जो अनुचित साधन के अन्तर्गत आती है। केवल संबंधित प्रश्नपत्र में ही मेमोरी लेस साइंटिफिक कैल्कुलेटर ले जाने की अनुमति होगी।
4. उत्तर पुस्तिकाओं में रुपये न रखें न ही उत्तर पुस्तिका में चिपकायें। ऐसा करना अनुचित साधन प्रयोग की परिधि में आता है।

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रवेश पत्र एवं उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों को ध्यान से पढ़े।
2. कवर पृष्ठ के दूसरी तरफ कुछ न लिखें।
3. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों पर दोनो तरफ लिखें।
4. प्रश्न पत्र पर अपने अनुक्रमांक के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
5. प्रश्न पत्र कोड एवं प्रश्न पत्र ID सावधानी पूर्वक लिखें।
6. अपनी स्थिति स्पष्ट लिखें।
7. उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों की संख्या देखें। अगर उत्तर पुस्तिका में पृष्ठ (1-24) से कम है या फटे हुए है, तो प शुरू होने के पूर्व दूसरी उत्तर पुस्तिका ले लें।
8. प्रश्नपत्र को देख, यदि प्रश्नपत्र के विषय कोड, विषय का नाम तथा प्रश्न में कोई त्रुटि है तो उसकी परीक्ष होने के 30 मिनट के अन्दर कक्ष निरीक्षक को तत्काल सूचित करें, उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा कोई नहीं की जायेगी।
9. प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिये पेंसिल का प्रयोग न करें।
10. बी कॉपी या अतिरिक्त शीट नहीं दिया जायेगा।

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE

1. Read the instructions carefully given on the Question Paper, Admit Card & Answer Script.
2. Do not write anything on back side of the cover page.
3. Write on both sides of pages of answer book.
4. Do not write anything on question paper except Roll Number.
5. Write Paper Code & Question Paper Id carefully.
6. CHECK the number of pages (1-24) or any other kind of damage in your answer script, if found than change the answer script immediately before the commencement of examination.
7. CHECK the Question Paper for any kind of discrepancy e.g. Subject Code, S Name, and Question of the Question Paper during first THIRTY MINUTES o commencement of the exam, so that it can be corrected in TIME. After that n corrections shall be entertained by the university.
8. Do not use pencil for answering the question.
9. Write status correctly e.g. those appearing in carry over papers should fill in st as Carry Over. Those appearing as Ex- Students should fill in status as ex.
10. No supplementary answer book & graph paper will be provided.

INSTRUCTION TO THE CANDIDATE FOR FILLING PART-IV

1. Use blue or black ball point pen for writing alphabets & numerals in Boxes.
2. Use blue or black ball point pen for filling the circles.

	1	8	1	5	4	3	2	1	6	9
0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
1	●	1	●	1	1	1	1	●	1	1
2	2	2	2	2	2	2	●	2	2	2
3	3	3	3	3	3	●	3	3	3	3
4	4	4	4	4	●	4	4	4	4	4
5	5	5	5	●	5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6	6	6	6	●	6
7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	7
8	8	●	8	8	8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9	9	9	9	9	●

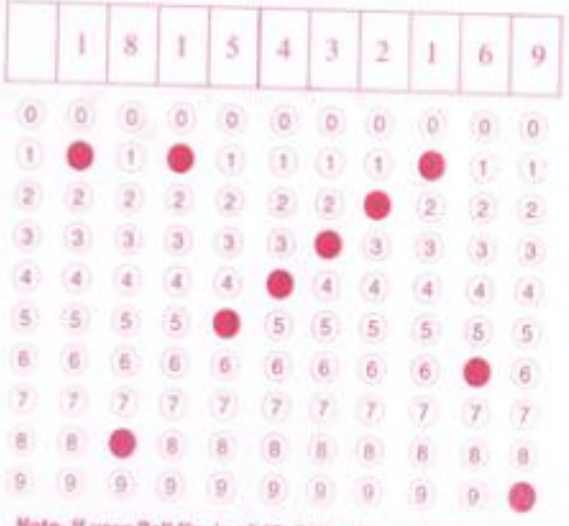

Note- If your Roll No. is of 10 digits. Please leave first three columns .

Paper Code

1

Section: A

प्र०1 ताल की प्रथम मात्रा को क्या कहते हैं?

उ: "ताल की प्रथम मात्रा सम कहलाती है।"

किसी भी ताल की पहली मात्रा पर ताली अर्थात् सम होता है। सम के बिना किसी भी ताल का होना असम्भव है।

- प्रत्येक ताल में सम अनिवार्य रूप से होता है।
- सम, ताल की प्रथम मात्रा पर होता है।
- सम की ताली जोरदार पड़ती है।
- सम ताली से ही लयकारी का ज्ञात होता है।
- किसी भी ताल का प्रारम्भ व अन्त सम पर ही होता है।

जब कोई वादक किसी गायक से संगत करते है तो वे सम से ही संगत शुरू करते है।

⇒ भातखण्डे संगीत पद्धति या भातखण्डे ताल पद्धति, उत्तरीय भारतीय संगीत ताल पद्धति में सम के चिन्ह के (X) गुणा के रूप में दर्शाते है।

प्र०2 किस ताल में खाली नही होती है?

उ: रूपक ताल में खाली नही होती है। रूपक ताल वादन मे प्रयुक्त होने वाली ताल है। इस ताल में 3 तालियाँ है परन्तु एक भी खाली का प्रयोग नही है।

रूपक ताल 7 मात्राओं की ताल है। इसके प्रत्येक विभाग में 3-2-3 मात्रा होती है। पहले विभाग में (2) मात्राएँ, दूसरे विभाग में भी (2) मात्राएँ तथा तीसरे विभाग में (3) मात्राएँ होती है। पहली मात्रा पर सम, तीसरी तथा पांचवी मात्रा पर ताली होती है। इस प्रकार कुल मिलाकर तीन तालियाँ बजायी जाती है।

Do Not Write anything in this Portion

रूपक ताल में कायदा, परन आदि आते हैं। यह असमान बजन वाली ताल है तथा बजाने में कठिन प्रतीत होती है।

Q. तबले में कितने वर्ण होते हैं?

Ans. तबले में कुल 16 वर्ण होते हैं। किसी भी भाषा को सीखने के लिए बच्चे को सर्व-प्रथम अक्षर सिखाए जाते हैं ठीक उसी प्रकार किसी भी तबला बजाने के लिए सबसे पहले वर्ण निकाले जाते हैं। वर्ण कुल मिलाकर 16 होते हैं। किन्तु प्रारंभ में बालक को सिर्फ 10 वर्ण सिखाए जाते हैं।

तबले पर बजाए जाने वाले वर्ण →

- केवल दाहिने या तबले पर बजाए जाने वाले वर्ण —

1) धा या ता।
2) दू।
3) ना।
4) तिं या धिं।
5) रे या टे।
6) ते या ती।

- केवल बायाँ या डग्गा पर बजाए जाने वाले वर्ण —

7) गे या घे
8) क, के, कि कत

- दोनों पर बजाए जाने वाले वर्ण —

9) धा
10) धि

प्र.4 तबले में कितने घराने है?
उ. तबले में कुल 6 घराने माने जाते है।

1) फर्रुखाबाद घराना।
2) अजराना घराना।
3) दिल्ली घराना।
4) पंजाब घराना।
5) लखनऊ घराना।
6) वाराणसी घराना (बनारस घराना)।

- फर्रुखाबाद घराने में बन्द व खुला हाथो से तबला बजाया जाता है।
- अजराना घराने में किनारे का तबला बजाया जाता है।
- दिल्ली घराने में भी किनारे का तबला तथा बन्द तबला बजाया जाता है।
- पंजाब घराने में खुला हाथों से तबला बजाया जाता है।

प्र.5 दस अवनद्ध वाद्यो के नाम लिखिए।
उ. वाद्य यन्त्र कुल चार वाद्य के अन्तर्गत आते है —
1) तत् वाद्य
2) सुषिर वाद्य
3) घन वाद्य
4) अवनद्ध वाद्य

अवनद्ध वाद्य वे वाद्य होते है, जो चमड़े के मढे हुए होते है तथा जिन्हे हाथो से थाप देकर बजाया जाता है। अवनद्ध वाद्य में अधिकतर कई वाद्य यन्त्र आते है —

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

- तबला
- पखावज
- ढोलक
- ढोल
- मृदंग
- ढपली
- ड्रम
- मढ़वा

प्र06 किस ताल में बेदम तिहाई नहीं होती है?

उ० दादरा ताल में बेदम तिहाई नही होती है इसके अतिरिक्त धमार ताल में भी बेदम तिहाई नही होती है।

» दादरा ताल संगीत में प्रयुक्त होने वाली सबसे छोटी व सरल ताल है। यह ताल काफी प्रचलित तालो में से एक है।

» इस ताल में कुल (6) मात्राएँ होती है। विभाग मात्र दो होते है प्रत्येक विभाग में 3-3 मात्राएं होती है। पहली मात्रा पर सम तथा चौथी मात्रा पर खाली होती है।

» दादरा नामक गायन शैली भी आजकल काफी प्रचलित है परन्तु दादरा ताल में मुख्य रूप से भजन आदि गाए बजाए जाते है।

प्र07 किस ताल की खाली 8 पर होती है?

उ० धमार ताल की खाली 8 वीं मात्रा पर होती है।

Paper Code

5

→ धमार : ताल गायन, वादन तथा नृत्य तीनो में प्रयोग होने वाली ताल है। धमार ताल में कुल 14 मात्राएँ होती है।

→ धमार ताल में कुल 4 विभाग होते है। पहले विभाग में 5 मात्राएँ, दूसरे विभाग में 2 मात्राएँ तीसरे विभाग में 3 मात्राएँ तथा चौथे विभाग में 4 मात्राएँ होती है।

→ पहली मात्रा पर सम, छठी मात्रा पर ताली आठवीं मात्रा पर खाली तथा ग्यारहवीं मात्रा पर तीसरी ताली होती है।

ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7
बोल	क	धि	ट	धि	ट	धा	–
चिह्न	X					2	

मात्रा	8	9	10	11	12	13	14
बोल	ग	ति	ट	ति	ट	ता	–
चिह्न	0 धा X			3			

धमार ताल धमार गायन शैली के साथ बजाया जाता है।

प्रश्न 32 लग्गी किस ताल में बजायी जाती है?

तीनताल नामक ताल में लग्गी बजायी जाती है। तीनताल 16 मात्राओं की प्रचलित ताल है। इसे त्रिताल भी कहते है। तीनताल में 4 विभाग होते है। प्रत्येक विभाग में चार-चार मात्राएँ

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

होती है। पहली मात्रा पर सम, पाँचवी तथा, तेरहवीं मात्रा पर ताली तथा नौवीं मात्रा खाली होती है। यह शास्त्रीय संगीत में प्रयुक्त ताल है।

Section : B

प्र० तीनताल में दुगुन और चौगुन की स्वरलिपि लिखिए।

उ० तीनताल को त्रिताल भी कहा जाता है। यह अत्यधिक प्राचीन व समान वजन वाली ताल है।

* संक्षिप्त परिचय →

- मात्रा → 16 मात्राएँ
- विभाग → 4 (प्रत्येक में 4-4)
- ताली → 1, 5, 13 मात्रा पर
- खाली → 9 वीं मात्रा पर

→ तीनताल तबले की ताल है। यह ताल शास्त्रीय संगीत में प्रयोग की जाती है। तीनताल न ही अधिक चंचल, न ही गम्भीर यह साधारण प्रकृति की ताल है। गायन में इस ताल में ख्याल नामक गायन शैली तथा वादन में इस ताल में कायदा, पल्टा, टुकड़ा, परन, पेशकार आदि बजाया जाता है।

→ यह ताल प्रारम्भिक ताल है। इस ताल के बोल काफी सरल है। इस ताल में ठेके की दोहरी आवृति है जो किसी भी ताल में नही दर्शाया जाता।

Paper Code

7

ठेका (इगुन)

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धिं	धिं	धा
चिन्ह	X				2				0				3			

तीनताल की दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धाति	तिंता	ताधिं	धिंधा
चिन्ह	X				2			
मात्रा	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धाति	तिंता	ताधिं	धिंधा
चिन्ह	0				3			

तीनताल की चौगुन

मात्रा	1	2	3	4
बोल	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
चिन्ह	X			
मात्रा	5	6	7	8
बोल	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
चिन्ह	2			
मात्रा	9	10	11	12
बोल	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
चिन्ह	0			
मात्रा	13	14	15	16
बोल	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंता	ताधिंधिंधा
चिन्ह	3			

धा

X

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Section : C

प्र० सम, लय, ताली, खाली, मात्रा और ठेका की परिभाषा लिखिए।

उ० (1) **सम**

→ "ताल की प्रथम मात्रा **सम** कहलाती है।"

किसी भी ताल की प्रारम्भ ताल की प्रथम मात्रा अर्थात् सम से होता है।

→ "जब किसी भी ताल के विभाग को दर्शाने के लिए तथा किसी ताल की लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन, अठगुन) आदि बजाने से पहले जोरदार ताली से जिसे दर्शाया जाता है, वह सम कहलाता है।"

पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे जी के द्वारा रचित ताल पद्धति जिसे उत्तरी ताल पद्धति या भातखण्डे तालिलिपि पद्धति में सम के चिन्ह को गुणा के माध्यम से अर्थात् (x) इस चिन्ह के द्वारा दर्शाते हैं।

* विशेषताएँ →

- प्रत्येक ताल में सम अनिवार्य रूप से होता है।
- सम एक प्रकार की ताली है, जो जोरदार पड़ती है।
- गायन के साथ संगत सम से ही प्रारम्भ की जाती है।

Paper Code

9

(2) लय

"संगीत में समय की गति मापने को लय कहते हैं।"

- अभिनव मञ्जरी के अनुसार, "लय साम्यम्।"

अर्थात्
लय समय मापने की इकाई है।

- लय का अर्थ होता है – गति।
किसी भी कार्य को करने की गति होती है।
- "संगीत में गायन, वादन तथा नृत्य इन तीनो कलाओं के कार्य करने की क्षमता को लय कहते हैं।"
बिना लय के कोई भी संगीत गाने में तथा बजाने में मधुर नही लगती। इसलिए लय का संगीत में अत्यधिक महत्व है।

(3) ताली

"जब किसी भी ताल में विभाग को दर्शाने के लिए तबले पर जोरदार ~~ताल~~ आघात तथा गायन समय में कुछ अधिक खूबसूरती के साथ तथा ताल हाथ पर लगाते समय प्रयोग की जाने वाली मात्रा ताली कहलाती है।"

पंडित विष्णु नारायण भातखण्डे जी के द्वारा रचित ताल पद्धति में ताली के चिन्ह को

Do Not Write anything in this Portion

सम के पश्चात् किसी भी मात्रा पर ताली हो अंक में 2 उसके पश्चात् अतिरिक्त ताली पर 3 आदि अंकों से दर्शाते है।

तीनताल के अनुसार →

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा
चिन्ह	x				2 (ताली)			

ताली की विशेषताएँ →

- किसी भी ताल में ताली अवश्य होती है क्योंकि सम भी एक प्रकार की ताली है।
- ताली से ताल की सुन्दरता बढ़ती है।

(4) खाली

"जब किसी ताल में अन्य विभाग के प्रारम्भ होने पर ताली न देकर हाथ को हवा में दायें या बायें ओर झुका देते है तो वह ताल की **खाली** कहलाती है।"

→ पण्डित विष्णु नारायण भातखण्डे जी के द्वारा रचित ताल पद्धति में खाली के चिन्ह को शून्य के रूप में (0) दर्शाते है।

विशेषताएँ :-

- किसी भी ताल में खाली हो भी सकती है और नहीं भी इसकी अनिवार्यता निश्चित नहीं होती।
- खाली ताल को हल्कापन महसूस कराती है।

(5) मात्रा

"किसी भी ताल में लय मापने की इकाई को **मात्रा** कहते हैं।"

- ताल की गणना उनकी मात्राओं के आधार पर होती है। किसी भी ताल में मुख्यतः मात्रा होती है। मात्रा ही ताल की पहचान कराती है। ताल में मात्राओं की संख्या निश्चित होती है।
- किसी भी लयकारी को गाते समय मात्रा की गति या लय निश्चित व समान रहती है तथा बोल को बोलने या गिनने की गति तेज की जाती है।

उदाहरण :-

- तीनताल में 16 मात्राएँ
- दादरातात में 6 मात्राएँ
- एकताल व चारताल में 12 मात्राएँ आदि।

(6) ठेका

"किसी भी ताल के इकहरे बोल को ठेका या बराबर कहते हैं।"

P.T.O

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

ठेका मुख्यतः विलम्बित लय में होता है। ठेके की धीमी गति ही आगे की लयकारियों को सरल बनाती है।

* विशेषताएँ →

- ठेका ही ताल में सर्वप्रथम होता है।
- ताल की लयकारी अर्थात् दुगुन, तिगुन, चौगुन ठेके के आधार पर ही बनती है।
- ठेका धीमी गति में होता है जिसे ठाह लय कहते हैं।

उदाहरण → दादराताल का ठेका

मात्रा	1	2	3	4	5	6
बोल	धा	धी	ना	धा	तू	ना
चिह्न	X			0		

———X———

Roll no: 2326200010

Paper Code

13

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

15

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

17

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

18

X

Paper Code

Paper Code

20

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

21

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion

Paper Code

Paper Code

Do Not Write anything in this Portion